शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति

डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

डॉ0 सौरभ कुमार, असि0 प्रो0, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी

डॉ0 गौरी मानिक मानसा, असि0 प्रो0, वी0 एस0 क0 विश्वविद्यालय, बालारी

डॉ0 साहब सिंह, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ0 पूजा खन्ना, पूर्व प्रवक्ता, के0 जी0 पी0 जी0 कॉलिज, मुरादाबाद

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0, सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

India	Rs. 600.00 प्रति अंक	Rs. 2400.00 वार्षिक
Foreign	$60.00	$ 250.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 3.8942 (ICRJIFR)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. 9 No. 1 **March 2018**

U. G. C. Approved List No. 40908

अनुक्रमणिका

1. पं० दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन
डॉ० शिवाली अग्रवाल 1

2. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में परिवारों में वृद्धों की स्थिति
डॉ० ज़किया रफत 8

3. भारतीय अर्थव्यवस्था में जनांकिकीय लाभांश
डॉ० मन्जू मगन 16

4. ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका
डॉ० सीमा रानी 22

5. लम्बी समाख्यानक कविता एवं मुक्त छंद के प्रथम प्रयोक्ता कवि बाबू महेश नारायण
डॉ० प्रभात रंजन 28

6. महिलाओं के विरुद्ध अपराध : भारत में राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रभावों का विश्लेषण
अनिल कुमार 35

7. पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के मौलिक, दार्शनिक व शैक्षिक विचार
डॉ0 दीपक कुमार तोमर 46

8. विश्व स्तर पर पर्यटकों को आकर्षित करती किशनगढ़ चित्रशैली
डॉ० रीता सिंह 57

9. हिमाचल प्रदेश का पारम्परिक लोक गायन जत्ती
आचार्य परमानन्द बंसल, डॉ० पुष्पा चौहान 61

10. भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में प्रागैतिहासिक शैल चित्रण
डॉ० पूजा कपिल 67
11. जनपद मेरठ में जल संसाधनों का कृषि विकास पर प्रभाव का भौगोलिक विकास
डॉ० कंचन यादव 73
12. कामन्दकीय नीतिसार एक समीक्षात्मक अध्ययन
डॉ. बृजेन्द्र गुर्जर 80
13. आतंकवाद : एक मानसिक अवसाद
डॉ० श्वेता जैन 86
14. जनपद अमरोहा की तहसीलों धनौरा एवं हसनपुर के आर्थिक विकास में संसाधनों का योगदान
डॉ० अनिल कुमार 92
15. बाल अपराधी : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
डॉ० ज़किया रफत 97
16. भारत में महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति– एक अवलोकन
श्रीमती श्वेता राय 103
17. हिन्दी एकांकी एवं डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल
राज कुमार पाण्डेय 112
18. वेदप्रकाश अमिताभ की लघु कथाएँ : समय–समाज से गहरी सम्पृक्ति
डॉ० देवेन्द्र कुमार 119
19. गरियाबन्द जिले के साप्ताहिक बाजारों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की भूमिका– एक भौगोलिक विश्लेषण
डॉ. (श्रीमती) ज़ेड टी. खान, श्रीमती राजवंश कौर कोहली 123
20. नव माध्यम का दौर
डॉ0 महावीर सिंह, डॉ0 प्रशांत कुमार, निशा सिरोही 135